

२७/३/२५

ज्जावली खान काकी मप वही लफ्फा पेश।  
 पार्थना लफ्फा पर लच्छप बुडि वाडी मप वही ल  
 से उपर होकर पार्थना लफ्फा वाहे विशा करने  
 वाड ना पेश छिया जो लकी गार छिया ग। म  
 वाड में भागे की कारवाही डकी लर पर  
 समाप्त की जाकर वाड गरिये विशा वाली म  
 छिया ग। ज्जावली मुशाल सुमार होकर  
 दखिब फल ह्या सज्जा से मफ ह्ये।



शरीफ

शाहि

सहकार कालिका  
 1500 चौहान